वक्रतुण्ड महाकाय ...र्य कोटि समप्रभः !
निर्विघ्नंकुरुमे देव सर्व कार्येषु सर्वदा !!

मान्यवर ,

परमपिता परमेश्वर की असीम अनुकम्पा से ,

चिरंजीवी नीरज कुमार

द्वितीय सुपुत्र : विद्याभूषण शर्मा
ग्राम+ पोस्ट- सिंदुर (सियारी) हजारीबाग

सौभाग्याकांक्षिणी कुमारी निरूपम्

तृतीय सुपुत्री : श्री श्रीकांत पाण्डेय
ग्राम+ पोस्ट- चकाई ,मुंगेर

के
परिणय सूत्र बंधन

की पुनीत बेला पर आप सपरिवार पधार कर वर - वधू को स्नेहाशीर्वाद प्रदान कर हमें अनुगृहीत करें ।

दर्शनाभिलाषी :
सर्वश्री रमाकांत शर्मा, सुरेन्द्रकांत शर्मा,
विजय शंकर शर्मा, भवानी, उदय, अरविन्द, पंकज,
भोला, मोती, अभिषेक, एव समस्त शर्मा परिवार ।

मंगलम् भगवान विष्णु मंगलम् गरुड़ध्वजः !
मंगलम् पुण्डरीकाक्षः मंगलाय तनोहरिः !!

!! श्री गणेशाय नमः !!

तेज सूर्य का, अमृत चन्द्र का, ज्ञान शारदा का, मर्यादा रामकी, नीति कृष्ण की, त्याग दध
शक्ति शिव की, भक्ति महावीर की, स्नेह माँ का, कृपा लक्ष्मी की और आशीर्वाद आप

वैवाहिक कार्यक्रम

दिनांक 02 मई 2007 बुधवार
शुभ लग्नोत्सव एवं चुमावन

दिनांक 03 मई 2007 गुरुवार
मटकोर एवं दलधोय

दिनांक 04 मई 2007 शुक्रवार
मण्डपाच्छादन एवं हरिद्रावंदन

दिनांक 06 मई 2007 रविवार
यज्ञोपवित , घृतढारी
बारात प्रस्थान एवं रात्रि में शुभ विवाह

卐

वर-वधू स्वागत समारोह एवं प्रीतिभोज

दिनांक 09 मई 2007 बुधवार
संध्या 7 बजे से आपके आगमन तक

नोट - बारात दिनांक 06 मई 2007 को संध्या 3 बजे हमारे निवास स्थान सिंदुर (सिया
हीनु, ए० जी० कॉलोनी, राँची के लिए प्रस्थान करेगी ।